एजुकेशन

12वीं बाद करें इवेंट मैनेजमेंट का कोर्स, ये हैं प्रमुख इंस्टीट्यूट्स

हर छोटे-बड़े इवेंट को सक्सेसफुल बनाने का काम इवेंट मैनेजर का होता है। इसके लिए इवेंट मैनेजमेंट का कोर्स कर सकते है।

12वीं के बाद स्टूडेंट्स के सामने सबसे बड़ा चैलेंज होता है करियर से जुड़े कोर्स के सिलेक्शन का। चैलेंस ऐसे कोर्स

के सिलेक्शन का होता है जो जॉब ओरिएंटेड हो। यानी उसको करने के के बाद आपको नौकरी मिल सके या आप उसके जरिए अपना कोई काम कर सकें।

इवेंट मैनेजमेंट में भी है स्कोप -

हर छोटे-बड़े इवेंट को सक्सेसफुल बनाने का काम इवेंट मैनेजर का होता है। आजकल तो शादी से लेकर बर्थ डे पार्टीज तक के लिए इवेंट मैनेजर्स की सहायता ली जा रही है। ऐसे में इवेंट मैनेजमेंट का कोर्स जॉब सिक्युरिटी देता है। इस कोर्स को करने के बाद आप किसी इवेंट मैनेजमेंट कंपनी में नौकरी कर सकते हैं। कोर्स करते ही 20 से 25 हजार रुपए की जॉब मिलने की संभावना बन जाती है। या आप अपना छोटा होम बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं।

क्या करता है इवेंट मैनेजर?

इवेंट मैनेजर्स संगीत शो, अवॉर्ड नाइट्स, डीलर मीट्स, कॉर्पोरेट क्लायंट्स के लिए टीम बिल्डिंग इवेंट्स, प्रेस कॉन्फ्रेंस, वेडिंग्स और इंगेजमेंट्स, बर्थडे पार्टीज, स्कूलों और कॉलेज के ऐनुअल इवेंट्स आदि को मैनेज करते हैं।

कितनी होती है कमाई?

इस फील्ड में आपके रोल और जिम्मेदारी, फर्म की लोकेशन, अनुभव और आप जिस ऑर्गनाइजेशन के लिए काम करते हैं, के बिजनेस के आधार पर आपको वेतन मिलेगा। एक्सपर्ट के मुताबिक अच्छे इंस्टीट्यूट से इवेंट मैनेजमेंट का कोर्स करने वाले फ्रेशर को भी 20 से 25 रुपए महीने की सैलरी मिल जाती है। चार-पांच साल का अनुभव होने पर सैलरी 30 से 40 हजार महीने तक पहुंच सकती है। वैसे कई लोग अनुभव के बाद अपना सेपरेट बिजनेस करना पसंद करते हैं।

क्या आपको पढ़ा हुआ याद नहीं रहता है? तो आजमाएं ये 5 टिप्स

कुछ लोग मानते हैं कि पढ़े हुए को याद रखना सबके लिए आसान नहीं रहता। लेकिन यह सच नहीं है। याद रखने की कैपिसिटी गॉड गिफ्टेड नहीं होती। इसे कोई भी बढ़ा सकता है। यहां हम बता रहे हैं ऐसी ही 5 टिप्स जो आपकी याद

रखने की क्षमता को बढ़ा देंगी-

1-जब भी पढ़ने बैठे, हाथ में रखें पेंसिल

जब भी पढ़ाई करने बैठें तो हाथ में पेंसिल लेकर ही बैठें। इसका फायदा यह होगा कि कोई खास टर्म या डेफिनेशन दिखने पर आप उसे अंडरलाइन कर सकेंगे। यह ऐसा तरीका है जिससे न केवल आपको जल्दी याद होगा, बल्कि ज्यादा दिनों तक याद भी रहेगा।

2. नोट्स खुद बनाएं

कई बार समय कम होने पर स्टूडेंट्स अपनी कक्षा के साथियों के नोट्स की फोटोकॉपी करवा लेते हैं। यह गलत तरीका है। दूसरों के नोट्स पढ़ने में वक्त भी ज्यादा लगता है और समझ में कम आता है। इसलिए अपने नोट्स खुद बनाने चाहिए। नोट्स बनाने की प्रोसेस से आपको याद रखने में आसानी होगी।

3.ग्रुप स्टडी अच्छा तरीका

अगर आपको या साथियों को एकसाथ बैठकर पढ़ाई करने में दिक्कत नहीं है तो ग्रुप डिस्कशन एक अच्छा तरीका है। ग्रुप डिस्कशन में जब चर्चा करके पढ़ते हैं तो इस दौरान डिस्कस की गई बातें ज्यादा याद रहती हैं।

4. पढ़ाई के दौरान लेते रहें ब्रेक

लगातार स्टडी करने से ब्रेन थक जाता है। लगातार पढ़ने से कई चीजें याद नहीं रह पाती हैं। इसलिए स्टडी के दौरान बीच-बीच में ब्रेक लेते रहें। इससे एकाग्रता बनी रहेगी और याद रखने की कैपिसिटी भी बढ़ेगी।

5. रिविजन जरूर करें

आप जो भी पढ़ रहे हैं, उसका रिविजन करना नहीं भूलें। रिविजन करने से यह समझ में आ जाता है कि आप जो पढ़ रहे हैं, वह आपको याद भी हो रहा है अथवा नहीं। आप जो भी पढ़े, उसका अगले हफ्ते रिविजन जरूर करें।

बैंकों-डाकघरों की 18 हजार शाखाओं में शुरू हो गए आधार केंद्र

नई दिल्ली। बैंकों एवं डाकघरों परिसरों में आधार केंद्र की शुरुआत के एक साल से भी कम समय में 18 हजार शाखाओं में ऐसे केंद्र खुल चुके हैं। भारत विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजय भूषण पांडेय ने यहां यह जानकारी दी। पांडेय ने बताया कि बैंकों एवं डाकघरों में आधार केंद्र बनाये जा रहे हैं। अभी तक बैंकों एवं डाकघरों की करीब 18 हजार शाखाओं में ये केंद्र बनाये जा चुके हैं और शेष शाखाओं में भी केंद्र बनाये जा रहे हैं। देश में बैंकों एवं डाकघरों की कुल 26,000 शाखाओं में आधार केंद्र बनाये जाने हैं। पांडेय ने कहा कि 13 हजार लक्षित डाकघरों में से आठ हजार में ये केंद्र बनाये जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि तथ्य है कि पिछले कुछ महीने में 18 हजार केंद्र बनाये जा चुके हैं। बैंकों एवं डाकघरों ने इसके लिए काफी मेहनत की है। लोगों का भरोसा एवं सुरक्षा बढ़ाने हेतु केंद्रों इन भरोसेमंद जगहों में शुरू किया जा रहा है। इससे लोगों को सुरक्षित तरीके से गुणवत्तायुक्त सेवा मिल सकेगी।

फिलहाल नहीं बिकेगा एयर इंडिया, सरकार मदद को तैयार

सरकार ने फिलहाल सार्वजनिक क्षेत्र की विमानन कंपनी एयर इंडिया की बिक्री की योजना टाल दी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने आज यह जानकारी दी। बताया जाता है कि इस चुनावी साल में सरकार एयर इंडिया को परिचालन के लिए जरूरी धन उपलब्ध कराएगी। सरकार ने कर्ज के बोझ से दबी एयर इंडिया की 76 प्रतिशत हिस्सेदारी की रणनीति बिक्री का फैसला किया था। सरकार को एयर इंडिया की हिस्सेदारी बिक्री के लिए कोई बोली नहीं मिली थी। करीब तीन सप्ताह पहले एयरलाइन के लिए बोली लगाने की समयसीमा समाप्त हो गई।

इस्तीफे के बाद बोलीं महबूबा-शांति के लिए पाक से भी बातचीत हो

एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि एयर इंडिया को जल्द अपने रोजाना के परिचालन के लिए सरकार से कोष मिलेगा। यही नहीं वह एक-दो विमानों की खरीद के लिए आर्डर भी दे सकेगी। केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली की अध्यक्षता में सोमवार को एयर इंडिया के भविष्य पर बैठक हुई। इस बैठक में अस्थायी रूप से वित्त मंत्रालय का प्रभार संभाल रहे पीयूष गोयल, नागर विमानन मंत्री सुरेश प्रभु, परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के अलावा वित्त और नागर विमानन मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

अधिकारी ने कहा, एयरलाइन को परिचालन लाभ हो रहा है। कोई भी उड़ान खाली नहीं जा रही है। लागत दक्ष व्यवस्था के जरिये हम परिचालन दक्षता में सुधार करते रहेंगे। ऐसे में एयरलाइन की बिक्री को कोई हड़बड़ी नहीं है। एक सूत्र ने बताया कि सरकार एयर इंडिया के फिर से उद्धार के जरिये उसके कुल लाभ की स्थिति में लाने की कोशिश कर रही है, जिसे इसे सूचीबद्ध कराया जा सके।

सूत्र ने कहा कि सूचीबद्धता के लिए जाने से पहले कुछ शर्तों को पूरा करना होगा। एक बार एयर इंडिया इन शर्तों को पूरा कर देती है तो हम इसकी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश ला सकते हैं और इसे सूचीबद्ध करा सकते हैं।

चंदा कोचर की गैर-मौजूदगी में संदीप बख्शी चलाएंगे ICICI बैंक

वीडियोकान को दिए लोन में कथित अनियमतता के आरोपों को लेकर आईसीआईसीआई बैंक ने सोमवार को बड़ा फैसला लिया। बैंक के बोर्ड ने संदीप बख्शी को सीओओ नियुक्त किया। वहीं मामले की जांच पूरी होने तक सीईओ चंदा कोचर ने छुट्टी पर जाने का फैसला किया।

हालांकि कोचर सीईओ और प्रबंध निदेशक पद पर बनी रहेंगी, उनका कार्यकाल मार्च 2019 तक है। आईसीआईसीआई फ्रुसेंडिशयल के अध्यक्ष संदीप बख्शी को बैंक का सीओओ यानी मुख्य परिचालन अधिकारी बनाया गया है। बख्शी मंगलवार से कामकाज संभालेंगे।

गौरतलब है कि वीडियोकान समूह को ऋण देने के मामले में कोचर हितों के टकराव को लेकर संदेह के घेरे में हैं। वीडियोकान के समूह वेणुगोपाल धूत हैं, जिनके कारोबारी संबंध चंदा कोचर के पति दीपक कोचर के साथ रहे हैं। ये आरोप पहले बार वर्ष 2016 में सामने आए, लेकिन बैंक के बोर्ड ने तब उन्हें क्लीनचिट दे दी थी।

हालांकि बाद में मामला गंभीर होने पर बैंक ने आंतरिक जांच कराने का निर्णय किया है। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस बीएन श्रीकृष्णा इस मामले की जांच करेंगे। बैंक के अलावा कई सरकारी एजेंसी भी इस मामले में कोचर और उनके परिजनों से जुड़े इस मामले में खामियों की जांच कर रही हैं।

खुशखबरी - आरबीआई ने आवास ऋण की सीमा बढ़ाकर की इतनी लाख रुपये !

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ने सस्ते मकानों के खरीदारों के लिए कर्ज सुविधा को और बेहतर बनाते हुए अब 35 लाख रुपए तक के कर्ज को प्राथमिक क्षेत्र के कर्ज की श्रेणी में शामिल कर दिया है।

यह सुविधा 45 लाख रुपए तक की कीमत वाले मकानों के लिए उपलब्ध होगी। बैंकों से प्राथमिक क्षेत्र का कर्ज आमतौर पर दूसरे कर्जों के मुकाबले सस्ता होता है। रिजर्व बैंक ने एक अधिसूचना में कहा है कि आर्थिक रूप से कमजोर तबके और निम्न आय वर्ग के लिए सस्ते आवास उपलब्ध कराने के प्रयासों को बढ़ावा देने के वास्ते आवास ऋण से जुड़े प्राथमिक क्षेत्र कर्ज के दिशानिर्देशों को सस्ती आवास योजना के अनुरूप किया गया है।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु General Knowledge

- हर साल पुल के सीन दो के बीच नर्मदा नदी के तट पर युद्ध हुआ जिसमें हर्ष की पराजय हुई.
- चीनी यात्री के हेन सांग हर्षवर्धन के शासन काल में भारत आया.
- हर 641 ई. में अपने दूत चीन भेजे तथा 643 ई. में दो चीनी दूत उसके दरबार में आए
- हर समय कश्मीर के शासक से बुद्ध के दंत अवशेष बलपूर्वक प्राप्त किये.
- हर्ष के पूर्वज भगवान शिव और सूर्य के अनन्य उपासक थे प्रारंभ में हर्ष भी अपने कुल देवता शिव का परम भक्त था. चीनी यात्री हैंड सांग से मिलने के बाद उसने बौद्ध धर्म की महायान शाखा को राजाश्रय प्रदान किया था था वह पूर्ण बौद्ध बन गया.
- हर्ष के समय में नालंदा महाविहार महायान बौद्ध धर्म की शिक्षा का प्रधान केंद्र था.
- हर्ष के समय में प्रयाग में प्रति पांचवें वर्ष एक समारोह आयोजित किया जाता था जिससे महा मुख्य परिषद कहा जाता था.

हेन सांग स्वयं छठवें समारोह में सम्मिलित हुए.

- बांड भट्ट हर्ष के दरबारी कवि थे उन्होंने हर चरित एवं कादंबरी की रचना की.
- प्रियदर्शी का रथना वाली तथा नागानंद नामक तीन संस्कृत नाटक ग्रंथों की रचना हर्ष ने की थी कहा जाता है कि धावक नामक कवि ने हर से पुरस्कार लेकर उसके नाम से ये तीनों नाटक लिख दिए.
- हर्ष को भारत का अंतिम हिंदू सम्राट कहा गया है लेकिन वह न तो कट्टर हिन्दू था और न ही सारे देश का शासक ही.

हर्ष के अधीनस्थ शासक महाराज अथवा महा सामंत कहे जाते थे.

- हर्ष के मंत्री परिषद के मंत्री को सचिव या अमात्य कहा जाता था.
- प्रशासन की सुविधा के लिए हर्ष का साम्राज्य कई प्रांतों में विभाजित था प्रांत को भक्ति कहा जाता था प्रत्येक भुक्ति का शासक राजस्थानी ऊपरिक अथवा राष्ट्रीय कहलाता था.
- भूक्ति का विभाजन जिलों में हुआ था जिले की संख्या थी विषय जिसका प्रधान विषय पति होता था विषय के अन्तर्गत कई पाठक होते थे.
- पुलिसकर्मियों को चाट या भाट कहा गया है.
- ग्राम शासन की सबसे छोटी इकाई थे ग्राम शासन का प्रधान ग्रामा कापालिक कहा जाता था.

हर्ष के समय मथुरा सूती वस्त्रों के निर्माण के लिए प्रसिद्ध था.

हेल्थ

चुकंदर का जूस डायबिटीज से लेकर कैंसर के लिए फायदेमंद है

चुकंदर से सेहत को कई बेशुमार फायदे पहुंचते हैं. ज्यादातर लोग चुकंदर को सलाद के रूप में खाते हैं. कई स्टडी में साबित हो चुका है कि चुकंदर का जूस भी सेहत

के लिए बहुत लाभकारी होता है. इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन्स, मिनरल्स, आयरन और कैल्शियम पाया जाता है. आइए जानें चुकंदर के जूस से सेहत को कितने और क्या-क्या फायदे होते हैं. चुकंदर का जूस पीने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है. शोधकर्ताओं के मुताबिक, रोजाना चुकंदर के जूस का सेवन करने से सिस्टोलिक और डायस्टोलिक ब्लड प्रेशर नियंत्रण में रहता है. साल 2012 में हुई एक स्टडी की रिपोर्ट के मुताबिक, चुकंदर का जूस शरीर में प्लाज्मा नाइट्रेट के स्तर को बढ़ाने का काम करता है जिससे शरीर में एनर्जी बनी रहती है.

साल 2011 में हुई एक स्टडी की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि चुकंदर का जूस पीने से डिमेंशिया का खतरा बहुत कम हो जाता है. दरअसल, चुकंदर के जूस में नाइट्रेट होने के कारण ये बढ़ती उम्र के लोगों के दिमाग में ब्लड फ्लो को तेज करता है. जिससे उनको भूलने की बीमारी नहीं होती है. चुकंदर में भरपूर मात्रा में पोटैशियम पाया जाता है. इससे हमारे शरीर में मौजूद तंत्रिकाएं और मांसपेशियां बेहतर ढंग से काम करती हैं. शरीर में पोटैशियम की कमी के कारण कमजोरी, ऐंठन और थकान महसूस होती है. लेकिन चुकंदर के जूस का सेवन इन सभी चीजों से हमें सुरक्षित रखता है. अगर आपके शरीर में कोलेस्ट्रोल का स्तर बढ़ गया है तो चुकंदर का जूस आपके लिए बेहद लाभकारी साबित होता है.

हर वक्त एसी- कूलर की आदत से बढ़ता है मोटापा

सेहत के लिए कई तरह से नुकसानदेह

गर्मी तेज हो या कम, कुछ लोगों को हर वक्त एसी में रहने की आदत होती है। घर, ऑफिस और कार, हर जगह एसी की जरूरत महसूस होती है। ऐसे लोगों के लिए बगैर एसी के थोड़ी देर भी रहना मुश्किल हो जाता है। लेकिन यह आदत सेहत पर कई तरह के नकारात्मक असर डालती है। हालांकि गर्मियों में पूरी तरह से एसी और कूलर के इस्तेमाल से बचा नहीं जा सकता, लेकिन इसका कम से कम इस्तेमाल ही बेहतर है। एसी और कूलर का ज्यादा इस्तेमाल किस तरह से सेहत को नुकसान पहुंचाता है जानें

बार-बार बीमार पड़ने की वजह

एक रिसर्च के अनुसार, आपको आराम पहुंचाने वाला एसी, स्वास्थ्य के लिए बिल्कुल भी अच्छा नहीं है। एसी, हमारे आस-पास एक आर्टिफिशल टेम्परेचर बनाता है, जो इम्यून

सिस्टम के लिए खतरनाक है। तो अगर आप बार-बार बीमार पड़ते हैं, तो उसका एक यह भी कारण हो सकता है। वे लोग जो एसी में 4 घंटे से ज्यादा देर तक बैठते हैं, उन्हें साइनस होने का खतरा रहता है। क्योंकि ठंडी हवा म्यूकस ग्रंथि को कठोर बना देती है।

फंगल इंफेक्शन से नुकसान का खतरा

कूलर-एसी की ज्यादा ठंडक में बिना ओढ़े सोने से न सिर्फ दमा के मरीजों को बल्कि सामान्य व्यक्तियों की छाती में भी ठंडक या फंगल इंफेक्शन से नुकसान पहुंचता है। प्राकृतिक वातावरण में रहने और उसे सहन करने की आदत डालनी होगी। बाहर और कमरे के भीतर के तापमान की बात करें तो इनमें आदर्श रूप से 4 डिग्री से ज्यादा का अंतर नहीं होना चाहिए। यदि यह अंतर बहुत ज्यादा है तो सीधे तौर पर बदलते तापमान में आवाजाही नहीं करनी चाहिए।

जोड़ों में दर्द की समस्या

एसी और कूलर से निकलने वाली हवा कई बार शरीर के जोड़ों में दर्द पैदा करती है। गर्दन, हाथ और घुटनों का दर्द ठंडी हवा लगने की वजह से बढ़ जाता है, जो कि अगर लंबे समय तक बना रहे, तो बड़ी बीमारी का कारण भी बन सकता है।

मोटापा बढ़ता है

ज्यादा देर तक एसी या कूलर में बैठने से मोटापा बढ़ता है। दरअसल, ठंडी जगह पर हमारे शरीर की ऊर्जा ज्यादा खर्च नहीं होती है जिससे चर्बी चढने लगती है।

फ्रिज में रखे आटे की रोटियां खाते हैं? तो जान लें यह बात

रखे आटे से दे रहे बीमारियों को दावत

रोटियां सेंकने के बाद जो गूंथा हुआ आटा बच जाता है, उसे आमतौर पर हम फ्रिज में रख देते हैं ताकि वह खराब न हो और उसे दोबारा इस्तेमाल में लाया जा सके, लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि ऐसा कर हम खुद ही बीमारियों का दावत देते हैं।